MR. CHAIRMAN: Only one question is allowed. ...*(Interruptions)*. .

DR K. MALAISAMY: Sir, it is one question only. It is part one. Part two of my question is, ...*(Interruptions)*...

MR CHAIRMAN: Only part one is allowed. Keep part two of your question for some future time.

SHRI P.M. SAYEED: Sir, keeping in view the National Common Minimum Programme, the following priorities have been decided in the Ministry for development and growth of power, that is, rural electrification. They are : addition to generating capacity, augmentation of national transmission network, power sector reform with emphasis on distribution reforms, energy conservation with a view to efficient functioning of the electricity department. Sir, our target is not 2007, our target is 2009. *(Interruptions)*...

DR K MALAISAMY: Even then ...

SHRI P.M. SAYEED: That is, within five years, this Government is committed to see that 7.8 crore village households get electricity. For that, we have envisaged the rural infrastructure programme. For each block, there will be 33/11 KV sub-station and the village electrification is consisting of 11 KV feeders in each village which distributes/transfers electricity to each village. Thirdly, Sir, there is household electrification from the distribution transformers. Therefore, we have got a definite plan to reach everywhere, supported by the Rural Electrification Corporation which will be strengthened and the funds will also be made available to them. Not only the funds will be made available, but the material reserves will also be supervised by the Rural Electrification Corporation.

Steps to bring holistic development in rural areas

*42 PROF. ALKA BALRAM KSHATRIYA:†
DR. T. SUBBARAMI REDDY:

Will the Minister of RURAL DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government propose to bring about holistic development and overall improvement in the quality of life in rural areas;

(b) if so, whether Government have identified that marketing is a major bottleneck in rural artisans' upliftment and has decided to hold an

†The question was actually asked on the floor of the House by Prof. Alka Balram Kshatriya

exhibition of products made by self-help groups at regional and national level, and

(c) if so, the extent to which it has been helpful?

THE MINISTER OF RURAL DEVELOPMENT (DR. RAGHUVANSH PRASAD SINGH): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House

Statement

(a) Ministry of Rural Development is presently implementing the following major schemes for poverty alleviation, employment generation, area development and infrastructure development in the rural areas of the country so as to bring about holistic development and overall improvement in the quality of life of rural poor.—

- Swarnajayanti Swarozgar Yojana (SGSY);
- Sampoorna Grameen Rozgar Yojana (SGRY);
- Indira Awaas Yojana (IAY),
- Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (PMGSY);
- Accelerated Rural Water Supply Programme (ARWSP);
- Watershed Development Programmes (IWDP, DPAP & DDP); and
- Central Rural Sanitation Programme (CRSP).

(b) The SGSY is the major on-going programme for the self-employment of the rural poor The objective of the programme is to bring assisted *Swarozgaris* above the poverty line by mobilizing them into Self-Help Groups, training, skill development and provision of income generating assets through bank credit and Government subsidy. Marketing of products made by SGSY beneficiaries has been one of the major concerns under the programme. As such the Ministry of Rural Development has been organizing SARAS Fairs at the national and regional levels and Gramshree Melas through CAPART District Rural Development Agencies (DRDAs) are authorized to utilize Rs. 5 lakhs annually for professional inputs related to marketing research, value addition, product diversification etc. In addition DRDAs can utilize the infrastructure funds for organizing local fairs for sale and exhibition of products made by Self-Help Groups/Swarozgaris. The Ministry has also developed marketing infrastructure for providing opportunity to the beneficiaries to sell their products.

(c) These fairs have provided rural artisans a platform to sell their products beyond the limits of the local markets and also helped them in getting exposure to the market and marketing techniques. It has introduced them to new designs and better methods of packaging. The rural artisans also learn from each other through sharing of experience.

प्रो॰ अलका क्षत्रिय: सभापति महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि ग्रामीण गरीबों के जीवन स्तर में संपूर्ण विकास और सुधार लाने के लिए जो योजनाएं कार्यान्वित है, उसके लिए पिछले दो वर्ष में कितना फंड दिया गया था और उसमें से कितने फंड का उपयोग हुआ है?

डॉ॰ रघुवंश प्रसाद सिंह: सभापति महोदय, माननीय सदस्या ने ठीक सवाल उठाया है। जब गांधी, गांव और गरीब की कोई चर्चा करता है तो मुझे ज्यादा प्रसन्नता होती है। इन्होंने गांव में बसने वाले गरीब लोगों की गरीबी पर सवाल उठाया है और पूछा है कि कितना खर्च हुआ है। सभापति महोदय, कुल नौ कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसमें एक संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना है। इसमें रोजगार देकर गरीब को गरीबी से मुकाबला करने की सहायता दी जाती है। इसमें केन्द्र सरकार की तरफ से 4500 करोड़ रुपए नगद दिए जाते हैं और 25 प्रतिशत राज्य सरकारें देती हैं। इसमें 4500 करोड़ रुपए और 1500 करोड़ रुपए मिलाकर करीब 6,000 करोड़ रुपए है। 600 करोड़ रुपए से लेकर 10,000 करोड़ रुपए तक का हम प्रति वर्ष 50 लाख टन अनाज देते हैं। जिसका लगभग सभी राज्य इस्तेमाल कर लेते हैं। कुछेक में, एक-दो, डी॰आर॰डी॰ए॰ पीछे छूट जाती हैं। वे पीछे न छूटें, इसका भी हम इंतजाम कर रहे हैं।

दूसरी बात है कि एक स्वर्ण जयंती ग्रामीण स्वरोजगार योजना है। इसमें सेल्फ हैल्प ग्रुप बनाकर, स्वरोजगार योजना से रोजगार देकर ट्रेनिंग दी जाती है। यह एन॰जी॰ओज॰ पंचायती राज या किसी फेसिलेटेटर, इन तीनों के माध्यम से गांव के बेरोजगार लोग, नौजवान महिलाएं, अनुसूचित जाति के लोग, गरीबी रेखा से नीचे के लोग इसमें शामिल हैं। गरीबी रेखा से नीचे के तीस प्रतिशत लोग भी इसमें शामिल किए जाते हैं। उनको ट्रेनिंग देकर, कुछ सब्सिडी, कुछ बैंक से लोन दिलाकर सामान का जो उत्पादन होता है, उसकी बाजार में बिक्री की जाती है। जो इनका मूल प्रश्न है, बिक्री और मार्किटिंग का क्या इंतजाम है, तो मार्किटिंग के लिए ग्रामश्री मेला और सरस मेले लगाए जाते हैं ताकि किसी तरह से उन्हें सहुलियतें दी जाएं। स्वरोजगारियों के द्वारा, सेल्फ हैल्प ग्रुप के द्वारा जो उत्पादित सामान है, जब उसकी बिक्री होगी तभी उनकी असली सहायता होगी। इसके लिए उनको मार्किटिंग देने की जरूरत है। इन्होंने अच्छा सवाल उठाया है, जो इनका मूल प्रश्न है। इसमें 1200 करोड़ रुपए हर साल खर्च होता है। इसमें बैंकों की तरफ से...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: माननीय मंत्री महोदय, इन्होंने प्रश्न पूछा है मार्किटिंग के लिए आप एग्जीबिशन लगाना चाहते हैं या नहीं?

डॉ॰ रघुवंश प्रसाद सिंह: सभापति महोदय, ग्रामीण विकास की सभी परियोजनाओं के लिए 17,000 करोड़ रुपए का बजट है। लेकिन उससे...(**व्यवधान**)

श्री संजय निरुपम: 17,000 करोड़ रुपए है...(**व्यवधान**)... गरीब तक कितना पहुंचा, यह सवाल है। इतनी बड़ी योजना है, इतना बड़ा फंड है, लेकिन सवाल यह है कि गरीब तक कितना पहुंचा...(**व्यवधान**)...

डॉ॰ रघुवंश प्रसाद सिंह: सभापति महोदय...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप उस पर मत जाइए...(**व्यवधान**)...जो पूछा है, वह बताइए..(**व्यवधान**)...

डॉ॰ रघुवंश प्रसाद सिंह: वह हो गया ...(**व्यवधान**)... जो पूछा है, उस सबका माकूल उत्तर दिया है...(**व्यवधान**)...आप लोगों को गरीब से क्या मतलब...(**व्यवधान**)...सभापति महोदय, इनको गरीब से क्या मतलब ...(**व्यवधान**)... गरीबी तो हम लोगों का विषय है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप उनका जवाब दीजिए।

प्रो॰ अलका क्षत्रिय: सभापति महोदय, रेपिड अरबेनाइजेशन के बावजूद भी हमारी जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा गांव में रहता है, जो उपेक्षित है। क्या इस साल सरकार ग्रामीण विकास के लिए दिए जाने वाले फंड में कुछ बढ़ोत्तरी करना चाहती है? सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध करना चाहती हूं कि न सिर्फ फंड बढ़ाएं बल्कि उस फंड के उपयोग की एडमिनिस्ट्रेटिव और फाइनेंशियल पावर्स भी पंचायतों को दी जानी चाहिए जिससे उस फंड का योग्य उपयोग हो सके और सही दिशा में ग्रामीण विकास हो सके।

श्री सभापति: दो बहुत सीधे से सवाल हैं। उन के बहुत सीधे दो सवाल हैं।

डॉ॰ रघुवंश प्रसाद सिंह: सभापति महोदय,देश में 6 लाख गांवों में 70 फीसदी आबादी रहती है और उस में ज्यादातर गरीब हैं, 19 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। माननीय सदस्या ने सवाल उठाया कि पंचायती राज को पैसा सीधे दे दें। उस बारे में हम लोगों ने ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप तो सीधे बताएं कि देना चाहते हैं या नहीं देना चाहते हैं?

डॉ॰ रघुवंश प्रसाद सिंह: महोदय, केवल वह कह देने से काम नहीं चलेगा। सदन को सही बात की जानकारी हो...

श्री सभापति: हम चला लेंगे, आप बता दो।

डॉ॰ रघुवंश प्रसाद सिंह: सही बात की जानकारी हो, इसीलिए मैं बताना चाहता हूं कि राज्य सरकारों के परामर्श से सीधे पंचायत को धन देने के लिए सी॰पी॰सी॰एम॰पी॰ में कहा गया है। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारों ने अपनी असहमति जाहिर की है, लेकिन अद्यतन स्थिति यह है कि

संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना का पैसा सीधे डी॰आर॰डी॰ए॰ में जाता है और 15 दिनों के अंदर उस का 20 फीसदी जिला परिषद, 30 फीसदी प्रखण्ड पंचायत समिति और 50 फीसदी सीधे पंचायतों को दिया जाता है। .. (व्यवधान)...

DR T SUBBARAMI REDDY Sir, the *Swaran Jayanti Swarojgar Yojana* is a very impotant scheme for self-employment in the rural areas. In this scheme, till today, out of the money allotted in the Budget, how much money has been expended in the entire country? Are you ensuring that the money is definitely reaching the youth for self-employment and they are able to utilise that money? Is there any new scheme to see that the fund reaches there positively without any problem?

डॉ॰ रघुवंश प्रसाद सिंह: सभापति महोदय, स्वर्ण जयंती ग्रामीण स्वरोजगार योजना के संबंध में शंका व्यक्त की गयी है, लेकिन वह पैसा इधर-उधर कहीं नहीं जाता है। उस में गांवों में बसने वाले बेरोजगार लोगों को डी॰आर॰डी॰ए॰ के माध्यम से ट्रेनिंग, सब्सिडी और बैंकों से ऋण देने का प्रावधान है। महोदय, अब पहले से आम तौर पर उस में खर्चा बढ़ रहा है। प्रारंभिक वर्षों में लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी, इसलिए अब सेल्फ हैल्प मूवमेंट के माध्यम से सेल्फ हैल्प ग्रुप्स बनाकर बेरोजगारी के खिलाफ इस योजना को लागू किया जा रहा है और लोगों में जागरूकता आई है। कई राज्यों ने बड़ा अच्छा काम किया है और कुछ राज्य उस में पीछे हैं। वहां हम सेल्फ हैल्प मूवमेंट चलाकर सेल्फ हैल्प ग्रुप्स के द्वारा उन को प्रशिक्षित कर रहे है। महोदय, उनका असली सवाल यह है कि मेला लगाकर उनके द्वारा उत्पादित सामान की बिक्री की जाए जिस से कि उनको रोजगार मिल सके जिस से कि वे अपनी स्थिति सुधार सकें।

श्री सभापति: ठीक है, वह जवाब से संतुष्ट हैं।

DR T. SUBBARAMI REDDY: आप नहीं समझे, I am not blaming you. I blame the general system ...(Interruptions)...

श्री सभापति: आप मंत्री जी को मत समझाइए, वह बहुत समझदार हैं। प्रो॰ सैफुद्दीन सोज।

प्रो॰ सैफुद्दीन सोज: चेयरमैन साहब, मैं आप के जरिए रघुवंश प्रसाद जी से एक सीधा सवाल करना चाहता हूं। क्या उनको जानकारी है कि काश्मीर में दो ऐसी दस्तकारियां हैं जोकि बंद हो गयी हैं, जो दम तोड़ रही हैं। उन में एक का नाम है खत्म-बंदी, वह एक सीलिंग होती है जोकि अंदर से छत पर लगती है। इसकी 700 वर्ष की तारीख है और दूसरी है papier mache. अब ये दोनों क्राफ्ट्स दम तोड़ रही हैं। इस की वजह यह है कि लोग अब सीमेंट और लोहे का इस्तेमाल करने लगे हैं। तो मैं इनसे सवाल करना चाहता हूं, एक तो यह कि क्या इनको इसकी जानकारी है। दूसरा इसके साथ जुड़ा हुआ सवाल यह है कि क्या मिनिस्ट्र साहब टैक्सटाइल मिनिस्ट्र और काश्मीर के जानकार लोगों से मशविरा कर के देश और विदेश में exhibition करवाएंगे ताकि ये क्राफ्ट्स बचें? मैं हाउस को याद दिलाना चाहता हूं...

श्री सभापति: आप को याद दिलाने की जरूरत नहीं है।

प्रो॰ सैफुद्दीन सोज: वहां महाराजाओं का बनाया हुआ दरबार था ...(**व्यवधान**)... वह जल गया जिसे विदेशी लोग भी देखकर हैरान रह जाते थे। क्या आप इन क्राफ्ट्स को बचाने के लिए टैक्सटाइल मिनिस्टर से और काश्मीर के जानकार लोगों से मशविरा कर के exhibition लगाएंगे?

श्री सभापति: माननीय मंत्री महोदय, आप संबंधित मंत्री से जानकारी ले लीजिए और बता दीजिए।

डॉ॰ रघुवंश प्रसाद सिंह: महोदय, माननीय सदस्य ने जो सूचना दी है, उस पर मैं गौर करूंगा। मैं इनकी सूचना का स्वागत करता हूं, मैं देखूंगा कि कैसे सहायता दी जाए।

श्री सभापति: नैक्स्ट क्वैश्चन।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सभापति महोदय, ..(**व्यवधान**)...

श्री **सभापति:** इन दो क्वैश्चंश में आधा समय चला गया। ...(**व्यवधान**)... अच्छा, अब महिलाओं को प्राथमिकता देंगे। .(**व्यवधान**). . अब आप बैठ जाइए। नैक्स्ट क्वैश्चन।

Snags in Jaguar Engine

*43 SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY. Will the Minister of DEFENCE be pleased to state·

(a) whether complaints of snag in the engine of Jaguar aircraft have been reported,

(b) if so, the details thereof, and

(c) the action taken to remove the defects immediately?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE) (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

Like any other aircraft system, routine snags have been reported on the engine of Jaguar aircraft also Rectification of these snags is carried out at the unit level on a day to day basis

The only major problem faced by some of the Adour Engines installed on Jaguar aircraft pertains to low thrust. This problem has been reported on about 10% of these engines.

A Study was ordered in September, 2002 to find out the reasons for